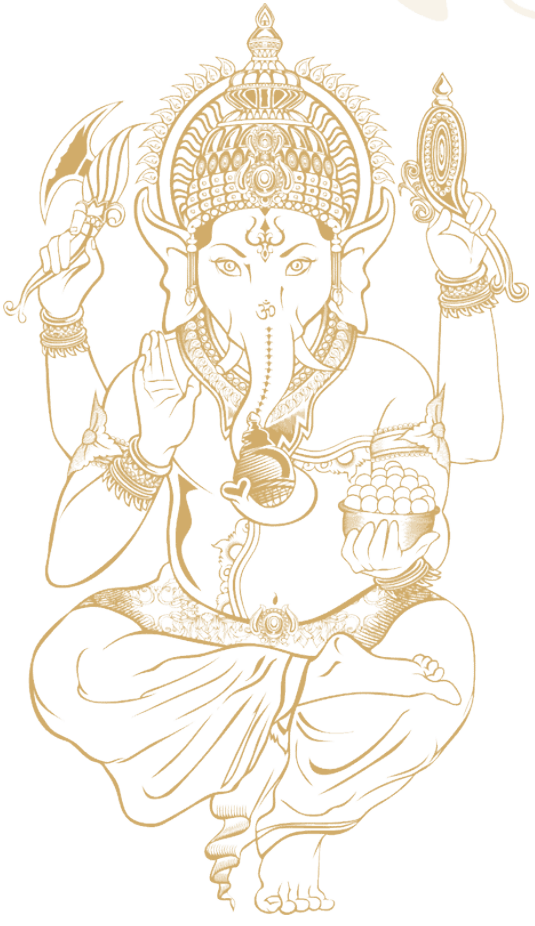

Avneet kaur

18 Feb 1999

01:00 PM

Ludhiana

Model: web-freekundliweb

Order No: 121801208

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/02/1999**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**13:00:00 घंटे**
इष्ट	14:46:05 घटी
स्थान	**Ludhiana**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:56:00 उत्तर
रेखांश	75:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:33:28 घंटे
वेलान्तर	-00:14:01 घंटे
साम्पातिक काल	22:24:46 घंटे
सूर्योदय	07:05:34 घंटे
सूर्यास्त	18:15:51 घंटे
दिनमान	11:10:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	05:20:49 कुम्भ
लग्न के अंश	27:56:44 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	सिद्ध
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दी-दीपांकर
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	27:56:44	346:35:41	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	---
सूर्य			कुंभ	05:20:49	01:00:34	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	01:39:55	14:09:07	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
मंगल			तुला	14:06:09	00:16:37	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	सम राशि
बुध			कुंभ	16:31:56	01:49:01	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
गुरु			मीन	07:19:17	00:13:26	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	स्वराशि
शुक्र			मीन	01:46:12	01:14:08	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	उच्च राशि
शनि			मेष	05:10:56	00:05:03	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	नीच राशि
राहु	व		कर्क	27:59:45	00:03:11	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		मक	27:59:45	00:03:11	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मक	19:51:27	00:03:24	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	---
नेप			मक	09:00:33	00:02:06	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	16:29:41	00:00:49	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			कुंभ	10:28:05	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : माध्य

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:32

लग्न-चलित

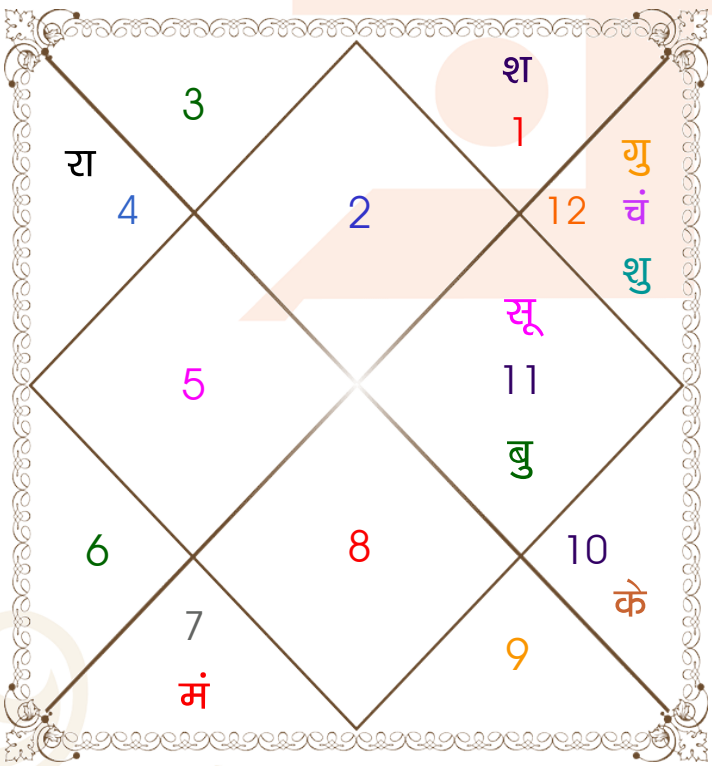

चन्द्र कुंडली

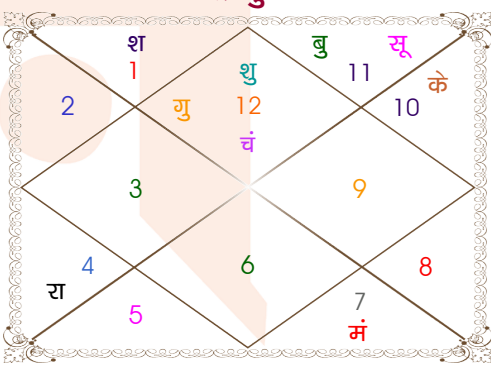

नवमांश कुंडली

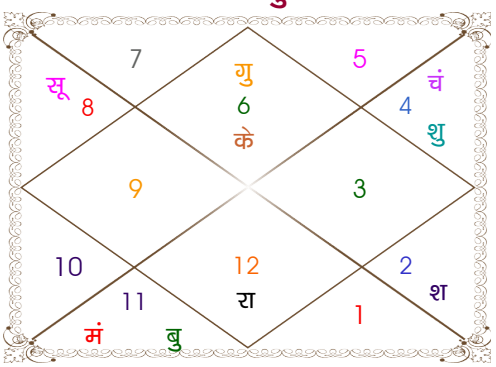

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 2 वर्ष 0 मास 0 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
18/02/1999		18/02/2001		19/02/2020		18/02/2037		19/02/2044	
18/02/2001		19/02/2020		18/02/2037		19/02/2044		19/02/2064	
	00/00/0000	शनि	22/02/2004	बुध	18/07/2022	केतु	17/07/2037	शुक्र	20/06/2047
	00/00/0000	बुध	01/11/2006	केतु	15/07/2023	शुक्र	16/09/2038	सूर्य	20/06/2048
	00/00/0000	केतु	11/12/2007	शुक्र	15/05/2026	सूर्य	22/01/2039	चंद्र	18/02/2050
	00/00/0000	शुक्र	10/02/2011	सूर्य	21/03/2027	चंद्र	23/08/2039	मंगल	21/04/2051
	00/00/0000	सूर्य	22/01/2012	चंद्र	20/08/2028	मंगल	19/01/2040	राहु	20/04/2054
	00/00/0000	चंद्र	23/08/2013	मंगल	17/08/2029	राहु	06/02/2041	गुरु	19/12/2056
	00/00/0000	मंगल	02/10/2014	राहु	05/03/2032	गुरु	13/01/2042	शनि	19/02/2060
	18/02/1999	राहु	08/08/2017	गुरु	11/06/2034	शनि	22/02/2043	बुध	20/12/2062
राहु	18/02/2001	गुरु	19/02/2020	शनि	18/02/2037	बुध	19/02/2044	केतु	19/02/2064

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
19/02/2064		18/02/2070		19/02/2080		19/02/2087		19/02/2105	
18/02/2070		19/02/2080		19/02/2087		19/02/2105		19/02/2119	
सूर्य	07/06/2064	चंद्र	20/12/2070	मंगल	17/07/2080	राहु	01/11/2089	गुरु	09/04/2107
चंद्र	07/12/2064	मंगल	21/07/2071	राहु	05/08/2081	गुरु	26/03/2092	शनि	21/10/2109
मंगल	14/04/2065	राहु	19/01/2073	गुरु	11/07/2082	शनि	31/01/2095	बुध	27/01/2112
राहु	09/03/2066	गुरु	21/05/2074	शनि	20/08/2083	बुध	20/08/2097	केतु	01/01/2113
गुरु	26/12/2066	शनि	20/12/2075	बुध	16/08/2084	केतु	07/09/2098	शुक्र	02/09/2115
शनि	08/12/2067	बुध	20/05/2077	केतु	13/01/2085	शुक्र	08/09/2101	सूर्य	21/06/2116
बुध	13/10/2068	केतु	20/12/2077	शुक्र	15/03/2086	सूर्य	03/08/2102	चंद्र	21/10/2117
केतु	18/02/2069	शुक्र	20/08/2079	सूर्य	21/07/2086	चंद्र	02/02/2104	मंगल	27/09/2118
शुक्र	18/02/2070	सूर्य	19/02/2080	चंद्र	19/02/2087	मंगल	19/02/2105	राहु	19/02/2119

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 1 वर्ष 11 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगे। आप सदैव ही नारी तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगे।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगे मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगे।

यद्यपि आप सहज स्वभाव के प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय व्यक्ति हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतें बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाते हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देते हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करते हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करते है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकते हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरष्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुए तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगे। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करते रहेंगे।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगे।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहते हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करते हैं। अंततः आपके महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगे। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगे।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति/पत्नी अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करते रहते हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करते हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति के स्वामी होंगे। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगे। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।